एथेनॉल पर सरकारी सपोर्ट की उम्मीद से उछले शुगर स्टॉक्स

[ईटी ब्यूरो | मुंबई]

शुगर कंपनियों के स्टॉक्स सोमवार को आकर्षण का केंद्र रहे। सुस्त बाजार में इनके स्टॉक्स 20% तक उछल गए। माना जा रहा है कि सरकार एथेनॉल प्रॉडक्शन बढ़ाने के लिए जरूरी कदम उठा सकती है। उत्तम शुगर मिल्स का स्टॉक 20% उछलकर 160.90 पर बंद हुआ। डालमिया भारत शुगर एंड इंडस्ट्रीज, द्वारिकेश शुगर इंडस्ट्रीज, बजाज हिंदुस्तान शुगर और श्री रेणुका शुगर्स का भाव 5 से 17% तक उछल गया।

इंडिपेंडेंट मार्केट एक्सपर्ट अंबरीश बालिगा ने कहा, 'हालिया एथेनॉल पॉलिसी सेक्टर के लिए पॉजिटिव है। यह उन्हें गन्ने से सीधे चीनी या एथेनॉल बनाने का ऑप्शन मिलेगा। सरकार ने हाल ही में इसका दाम 25% बढ़ा दिया है। ज्यादा मेथनॉल प्रॉडक्शन होने पर शुगर इनवेंटरी में एडजस्टमेंट होगा और चीनी के दाम में तेजी आएगी।'

एथेनॉल गन्ने के रस और शीरे के फरमेंटेशन से बनता है। एनालिस्टों का यह भी कहना है कि शुगर मिलों को ब्राजील के एक्सपोर्ट में गिरावट आने से भी फायदा होगा। वहां भी चीनी से ज्यादा एथेनॉल का प्रॉडक्शन हो रहा है, जिससे आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय बाजार में चीनी की सप्लाई घट सकती है।

IIFL सिक्योरिटीज के सीनियर रिसर्च एनालिस्ट अकुल ब्रोचवाला कहते हैं, 'ग्लोबल सप्लाई में कमी आने से इंडियन शुगर मिलों को अपना स्टॉक वहां डंप करने में मदद मिल सकती है। यह सेंटीमेंट के लिहाज से शुगर मिल कंपनियों के लिए पॉजिटिव है।' सरकार ने पेट्रोल में मिलाने के लिए सीधे गन्ने से बनाए गए एथेनॉल के दाम में सितंबर में 25% की बढ़ोतरी की थी। अकुल ने कहा, 'सरकार 2030 तक पेट्रोल में एथेनॉल की ब्लेंडिंग का लेवल 20% तक ले जाना चाहती है। उसने शुगर मिलों को एथेनॉल डिस्टिलरी लगाने के लिए रियायती लोन देने की योजना बनाई है।'

- **उत्तम शुगर** मिल्स का स्टॉक सोमवार को 20% उछलकर 160.90 पर बंद हुआ
- **डालमिया भारत** शुगर एंड इंडस्ट्रीज, द्वारिकेश शुगर इंडस्ट्रीज, बजाज हिंदुस्तान शुगर और श्री रेणुका शुगर्स का भाव 5 से 17% तक उछल गया

हालांकि इस बारे में एनालिस्टों की राय बंटी हुई है कि क्या शुगर स्टॉक्स में तेजी लंबे समय तक बनी रहेग? शुगर स्टॉक्स में पिछले एक हफ्ते से तेजी बनी हुई है जिसमें उत्तम शुगर का भाव 68% तक उछल चुका है। हालांकि शुगर मिलों के स्टॉक्स अब भी पिछले साल के हाई लेवल से 20 से 50 पर्सेंट तक नीचे हैं।

अकुल ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि तेजी बनी रहेगी क्योंकि अभी इन फैक्टर्स को फ्यूचर ट्रेंड के अनुमान के लिए पैमाना नहीं माना जा सकता। उसमें वक्त लगेगा। 2018-19 में भी रिकॉर्ड प्रॉडक्शन होने के चलते डोमेस्टिक शुगर मार्केट में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है।'

हालांकि बालिगा का कहना है कि शुगर कंपनियों के स्टॉक्स के दाम में तेजी बनी रह सकती है क्योंकि क्रूड का दाम ऊंचा रहने की वजह से पेट्रोल में एथेनॉल ब्लेंडिंग को बढ़ावा मिलता रहेगा।

Economic Times
16/10/2018